प्रत्येक दिन माता पिता को किया जाता है चरण स्पर्श

इंदौर। प्रत्येक मनुष्य में परमात्मा का वास होता है, भारतीय संस्कृति में प्रत्येक दिन माता पिता को चरण स्पर्श किया जाता है, संस्कृति का पालन जरूर करना चाहिए, प्रत्येक दिन मित्राचार है, हर दिन तुलसी पूजन करना चाहिए, जो जीवन में धर्म संस्कृति से कट जाता है उसका कभी कल्याण नहीं होता है।

अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें, उन्हे संस्कारित करें, सत्संग में अपने बच्चों को जरूर लेकर जाएं, जो अपने कुल, शास्त्रों से दूर हो रहे उन्हे इन सभी की जानकारी होना ही चाहिए। भगवान के दर्शन करने मात्र से ही मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है,यह बाते ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के चौथें दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में भगवान का स्मरण करके हर कार्य की शुरआत करना चाहिए। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रभु श्री कृष्ण के जयघोष के साथ हाथी घोड़ा पालकी... जय कन्हैया लाल की... नंद के घर आनंद भयो...जय कन्हैया लाल की.. की गूंज से पूरा परिसर गूंज उठा। माता यशोदा और नंद बाबा के भेष में मंच पर प्रभु बाल गोपाल को देख श्रद्धालु आनंदित हो उठे, सैकड़ों महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया, जन्मोत्सव में पारंपरिक परिधान में भक्त शामिल हुए, सभी भक्तों ने कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद लिया। व्यासपीठ का पूजन अर्चन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, आईडीए उपाध्यक्ष गोलू शुक्ला,गणेश गोयल,राज दीक्षित, सरोज चौहान, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया।